

भारत ने मालदीव की सहायता के लिये 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर का ट्रेजरी बलि पारति किया

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

भारत ने वर्ष 2019 में शुरू हुए विशेष गवर्नमेंट टू गवर्नमेंट (G2G) ढाँचे के तहत 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ट्रेजरी बलि को आगे बढ़ाकर (नवीनीकृत करके) मालदीव को वित्तीय सहायता दी है।

भारत-मालदीव द्विपक्षीय संबंधों के महत्त्वपूर्ण आयाम क्या हैं?

- ऐतिहासिक संबंध: भारत ने वर्ष 1965 में मालदीव को मान्यता दी और वर्ष 1972 में माले में अपना मशिन स्थापित किया। दोनों देशों ने SAARC की स्थापना में भाग लिया है और वे SAFTA समझौते के हस्ताक्षरकर्त्ता भी हैं।
- व्यापार और अर्थव्यवस्था: भारत और मालदीव ने वर्ष 1981 में एक व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किये, जिससे द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा मिला।
 - वर्ष 2024 में, भारत ने मालदीव को 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता और 3,000 करोड़ रुपए की द्विपक्षीय मुद्रा अदला-बदली प्रदान की, जिससे उसकी आर्थिक सहायता मज़बूत हुई।
 - इसके अतिरिक्त, SBI ने मालदीव के लिये 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर के ट्रेजरी बलि जारी किये।
 - वर्ष 2022 में भारत मालदीव का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना, जबकि वर्ष 2023 में वह उसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बन गया।
 - वर्ष 2022 में भारतीय व्यापारिक यात्रियों के लिये ए वीज़ा-मुक्त प्रवेश से वाणिज्यिक संबंधों में और वृद्धि हुई।
 - वर्ष 2024 में भारत और मालदीव ने सीमा पार व्यापार के लिये स्थानीय मुद्राओं के उपयोग को बढ़ावा देने हेतु एक रूपरेखा को अंतिम रूप दिया है।
- पर्यटन और संस्कृति: पर्यटन मालदीव के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 25% और कुल रोज़गार का 70% योगदान देता है। भारत वर्ष 2020 से मालदीव के लिये शीर्ष पर्यटक स्रोत बना हुआ है। वर्ष 2022 में हुई 'ओपन स्काई संधि' (Open Skies Treaty-OST) ने दोनों देशों के बीच हवाई संपर्क को और सशक्त बनाया।
- रक्षा साझेदार: भारत की नेबरहुड फ़रसट नीति और SAGAR (अब महासागर - MAHASAGAR) पहल के तहत भारत ने मालदीव को कई महत्त्वपूर्ण रक्षा सहायता प्रदान की है, जिनमें ऑपरेशन कैक्टस (1988) शामिल है।
 - भारत ने रक्षा अवसंरचना के विकास, संयुक्त सैन्य अभ्यास (एकुवेरनि, एकथा, दोस्ती) और मालदीव की राष्ट्रीय रक्षा सेना के 70% से अधिक कर्मियों को प्रशिक्षण देने में भी अहम भूमिका निभाई है।



नोट

- आठ डिग्री चैनल भारतीय मनीकॉय (लक्षद्वीप समूह का हिस्सा) को मालदीव से अलग करता है।

ट्रेजरी बलि (T-बलि) क्या है?

- **T-बलि** भारत सरकार द्वारा **भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI)** के माध्यम से जारी किये जाने वाले **अल्पकालिक ऋण** उपकरण हैं।
 - ये **सरकारी प्रतभूतियाँ (G-Secs)** का हिस्सा होती हैं और अल्पकालिक नधिएकत्रति करने में सहायता करती हैं।
 - ये **शून्य-कूपन प्रतभूतियाँ (Zero-Coupon Securities)** होती हैं, अर्थात् इन पर आवधिक ब्याज भुगतान नहीं होता। इसके बजाय, इन्हें अंकति मूल्य से कम पर जारी किया जाता है और परपिक्वता पर पूर्ण अंकति मूल्य पर भुनाया जाता है।
 - **G-Sec केंद्रीय या राज्य सरकारों** द्वारा जनता से नधिएउधार लेने के लिये जारी किये जाने वाले व्यापार योग्य ऋण उपकरण हैं, जनिमें एक नरिदषिट तथिपर मूलधन चुकाने का संवदिात्मक दायतिव होता है।

Different Types of Government Securities



Treasury Bills (T-bills)

Short-term money market instruments where the maturity period is less than 1 year.



Cash Management Bills (CMBs)

Short-term money market instruments where the maturity period is less than 1 year.



Dated G-Secs

Long-term money market instruments that offer a wide range of tenures from 5 to 40 years.



State Development Loans (SDLs)

Issued only by the state governments of India with a wide range of investment tenures.

- इन्हें 91, 182 और 364 दिनों की परपिक्वता अवधि के साथ जारी किया जाता है तथा इन्हें उनके अंकित मूल्य से कम मूल्य पर बेचा जाता है। नवेशकों को लाभ कर मूल्य और परपिक्वता राशिके अंतर से प्राप्त होता है।
- इन्हें भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) की नीलामी के माध्यम से प्रतस्पर्द्धी और गैर-प्रतस्पर्द्धी बोली प्रक्रिया द्वारा जारी किया जाता है तथा इनकी अल्पकालिक अवधि के कारण इनकी तरलता (liquidity) अधिक होती है।
- T-बिलिस से प्राप्त लाभ अल्पकालिक पूंजीगत लाभ (Short-Term Capital Gains) के रूप में कर योग्य होता है, और इन पर मलिनने वाला नशिति प्रतफल मुद्रासफीत के कारण प्रभावित हो सकता है।

10 REASONS WHY MALDIVES IS IMPORTANT FOR INDIA



1 Strategically located in the Indian Ocean, Maldives archipelago comprising 1,200 coral islands lies next to key shipping lanes which ensure uninterrupted energy supplies to countries like China, Japan and India

2 Since China started to send naval ships to Indian Ocean roughly 10 years ago —and right up to Gulf of Aden in the name of anti-piracy operations — Maldives' significance has steadily grown and now it's at the heart of international geopolitics

3 As the pre-eminent South Asian power and a 'net security provider' in the Indian Ocean region, India needs to cooperate with Maldives in security and defence sectors

4 China's massive economic presence in Maldives is a major concern for India. With the country now said to owe 70% of its external aid to China, many believe that Yameen has done to Maldives what Rajapaksa did to Sri Lanka. India had to push back at some stage and the current political crisis

might just have offered India the right opportunity

5 A large section of population which supports the opposition parties like Nasheed's MDP wants India to act against Yameen

6 Maldives is also a member of Saarc. It is important for India to have Maldives on board to maintain its leadership in the region. Maldives was the only Saarc country which seemed reluctant to follow India's call for boycott of Saarc summit in Pakistan after the Uri attack

7 Under Yameen, radicalisation grew rapidly and it was often said that archipelago accounted for one of the highest numbers of foreign fighters in Syria in terms of per capita. India can ill-afford a neighbour which fails to check Islamic radicalisation

8 India and Maldives share ethnic, linguistic, cultural, religious and commercial links. India was among the first to recognise Maldives after its independence in 1965 and later established its mission at Malé in 1972

9 There are 25,000 Indian nationals living in Maldives (second largest expatriate community). Indian tourists also account for close to 6% of tourists Maldives receives every year

10 India is also a preferred destination for Maldivians for education, medical treatment, recreation and business. According to MEA, more and more Maldivians are seeking long term visa for pursuing higher studies/ medical treatment in India

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न. भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, 'खुला बाज़ार प्रचालन' कसि नरिदष्टि करता है? (2013)

- (a) अनुसूचति बैंकों द्वारा RBI से ऋण लेना
- (b) वाणजियकि बैंकों द्वारा उद्योग और व्यापार क्षेत्रों को ऋण देना
- (c) RBI द्वारा सरकारी प्रतभूतियों का क्रय और वक्रिय
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (c)

प्रश्न. भारतीय अर्थव्यवस्था के संदर्भ में, नमिनलखिति में से कौन-सा/से गैर-वत्तितीय ऋण में सम्मलिति है? (2020)

- 1. परिवारों का बकाया गृह ऋण
- 2. क्रेडिट कार्डों पर बकाया राशि
- 3. राजकोष बलि

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 1 और 2
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/india-rolls-over-usd-50-million-treasury-bill-to-support-maldives>

